भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 09 जनवरी, 2026
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: (i) दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरा अवदाब है।
(ii) अगले 5-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में और अगले 2-3 दिनों के दौरान मध्य भारत, पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।
(iii) अगले 2-3 दिनों के दौरान राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार और मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है।
(iv) 10 और 11 तारीख को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 10 तारीख को उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में और 11-14 जनवरी के दौरान राजस्थान में शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 09 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा (विजिबिलिटी <50 मीटर) छाया रहा; उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, बिहार के कुछ इलाकों में भी ऐसा ही रहा; हिमाचल प्रदेश, पश्चिम राजस्थान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, मध्य प्रदेश, असम और त्रिपुरा के कुछ इलाकों में घना कोहरा (विजिबिलिटी 50-199 मीटर) छाया रहा।
- दृश्यता रिपोर्ट की गई (मीटर में ≤200 मीटर): उत्तराखंड: पंतनगर 0 मीटर, काशीपुर 25 मीटर; पश्चिम उत्तर प्रदेश: AMS अलीगढ़, आगरा (IAF), सरसावा (IAF) और बरेली प्रत्येक 0 मीटर, हमीरपुर 20 मीटर, अलीगढ़ 30 मीटर, हिंडन, झांसी, मुजफ्फरनगर और आगरा (ताज) प्रत्येक 50 मीटर, मेरठ 100 मीटर; पूर्वी उत्तर प्रदेश: AMS चित्रकूट, गोरखपुर (IAF), प्रयागराज (IAF), आजमगढ़ और कानपुर (IAF) प्रत्येक 0 मीटर, प्रयागराज 20 मीटर, फतेहपुर और सुल्तानपुर प्रत्येक 30 मीटर, फतेहगढ़ 40 मीटर, AMS कुशीनगर, फुरसतगंज, लखनऊ और गोरखपुर प्रत्येक 50 मीटर, बस्ती 80 मीटर, अयोध्या 100 मीटर; हरियाणा: अंबाला 05 मीटर; बिहार: भागलपुर (0-49 मीटर), गया 50 मीटर; पंजाब: बल्लोवाल सौंखरी 30 मीटर; असम: डिब्रूगढ़ 50 मीटर; त्रिपुरा: अगरतला 50 मीटर; हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर 100 मीटर; पश्चिम राजस्थान: चुरू 150 मीटर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: कूचबिहार 150 मीटर; पश्चिम मध्य प्रदेश: दतिया, गुना, ग्वालियर; पूर्वी मध्य प्रदेश: सतना, खजुराहो।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में कोल्ड डे से लेकर गंभीर शीत दिवस की स्थिति बनी रही; बिहार के कुछ इलाकों में भी ऐसा ही रहा और पश्चिम उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और पश्चिम राजस्थान में शीत दिवस की स्थिति बनी रही।
- हिमाचल प्रदेश, ओडिशा के कुछ इलाकों में गंभीर शीत लहर की स्थिति बनी रही और झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में शीत लहर की स्थिति बनी रही।
- उत्तराखंड के कुछ इलाकों में पाला की स्थिति दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- कल दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर बना **गहरा अवदाब** लगभग उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और आज, 09 जनवरी, 2026 को 0830 बजे IST पर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर, अक्षांश 7.4°N और देशांतर 83.2°E के पास, पोट्टुविल (श्रीलंका) से लगभग 160 किमी पूर्व-उत्तर-पूर्व, बट्टिकलोआ (श्रीलंका) से 170 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, त्रिंकोमाली (श्रीलंका) से 250 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, हंबनटोटा (श्रीलंका) से 270 किमी पूर्व-उत्तर-पूर्व, कराईकल (पुडुचेरी) से 540 किमी दक्षिण-पूर्व और चेन्नई (तमिलनाडु) से 710 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था। इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और 10 जनवरी, 2026 को दोपहर/शाम के आसपास त्रिंकोमाली और जाफना के बीच उत्तरी श्रीलंका तट को पार करने की बहुत संभावना है।
- पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है, जिसके ऊपर मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक द्रोणिका लगभग देशांतर 71°E के साथ अक्षांश 30°N के उत्तर में चल रही है।
- एक प्रेरित ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण हरियाणा के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में बना हुआ है।
- औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 130 समुद्री मील की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम उत्तर-पश्चिम भारत के ऊपर बनी हुई है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्वी असम के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में बना हुआ है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-पूर्वी अरब सागर और उससे सटे दक्षिण केरल तट के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में बना हुआ है।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने गहरा अवदाब के असर से, ऐसा मौसम रहने की संभावना है:

- 9 और 10 जनवरी को तमिलनाडु में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की बहुत ज़्यादा संभावना है और 11 जनवरी, 2026 को उसी इलाके में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 0°C से नीचे था; हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर; उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तरी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर 0-5°C; उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश के बाकी हिस्सों, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कई जगहों पर; हरियाणा, मध्य महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर; ओडिशा, असम और मेघालय, सौराष्ट्र और कच्छ, छत्तीसगढ़, झारखंड और तेलंगाना में कुछ जगहों पर 5°-10°C था।
- न्यूनतम तापमान में गिरावट ओडिशा में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-5.0 °C या उससे कम) थी; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-5.0°C से -3.1°C); तेलंगाना में कुछ जगहों पर; उत्तराखंड, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे में कुछ जगहों पर; लक्षद्वीप में कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) थी। (अनुलग्नक IV देखें)
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान **3.4°C अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)** में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।
- अगले 24 घंटों के दौरान मध्य भारत और महाराष्ट्र क्षेत्र में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 4 दिनों में धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी होगी।
- अगले 3 दिनों के दौरान गुजरात राज्य में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 4 दिनों में धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी होगी।
- अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 4 दिनों में धीरे-धीरे 3-4°C की बढ़ोतरी होगी।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- 11 तारीख तक पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है और 12 जनवरी 2026 को कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- 11 जनवरी तक पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है और 12 और 13 जनवरी 2026 को कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- जम्मू डिवीज़न, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में 14 तारीख तक; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और बिहार में 16 जनवरी तक; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10 तारीख को और 13-16 तारीख के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 10 तारीख तक और 15 और 16 तारीख को; मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 11 जनवरी तक सुबह के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।
- पूर्वी राजस्थान और बिहार में 09-11 तारीख के दौरान; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी राजस्थान और मध्य प्रदेश में 09 और 10 जनवरी को कुछ हिस्सों में शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है।
- हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ इलाकों में 10 और 11 तारीख को; उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में 10 तारीख को और राजस्थान में 11-14 जनवरी के दौरान शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

पाला चेतावनी:

- 09-11 जनवरी, 2026 के दौरान उत्तराखंड के कुछ इलाकों में पाला की स्थिति बनने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

आंधी और ओलावृष्टि चेतावनी:

- 09 जनवरी, 2026 को निकोबार द्वीप समूह में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश होने की बहुत ज़्यादा संभावना है।
- 09 जनवरी, 2026 को उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

हवा की चेतावनी:

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के आस-पास के इलाके: तेज़ हवाओं वाला मौसम, जिसमें हवा की गति 55-65 किमी प्रति घंटा तक पहुँच रही है और झोंके 75 किमी प्रति घंटा तक पहुँच रहे हैं, अभी बना हुआ है। यह 9 तारीख की शाम तक बना रहेगा। इसके बाद यह धीरे-धीरे कम हो जाएगा और 10 तारीख की सुबह तक 40-50 किमी प्रति घंटा और झोंके 60 किमी प्रति घंटा तक हो जाएंगे और 10 तारीख की शाम तक 30-40 किमी प्रति घंटा और झोंके 50 किमी प्रति घंटा तक हो जाएंगे।

दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी: दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के आस-पास के इलाकों में 9 जनवरी की शाम तक हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा और झोंके 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँचने वाला तेज़ हवाओं वाला मौसम रहेगा और इसके बाद धीरे-धीरे कम हो जाएगा।

श्रीलंका तट के साथ और उससे दूर, मन्नार की खाड़ी और आस-पास के कोमोरिन क्षेत्र: इस क्षेत्र में हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और झोंके 70 किमी प्रति घंटा तक पहुँचने वाला तेज़ हवाओं वाला मौसम बना हुआ है। यह धीरे-धीरे कम हो जाएगा और 10 तारीख की सुबह तक 40-50 किमी प्रति घंटा और झोंके 60 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगा।

तमिलनाडु - पुडुचेरी तटों के साथ और उससे दूर: 10 तारीख की शाम तक हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा और झोंके 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँचने वाला तेज़ हवाओं वाला मौसम रहने की बहुत संभावना है। इसके बाद यह धीरे-धीरे कम हो जाएगा। 9 और 10 जनवरी को उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी तटों के साथ और उससे दूर हवा की गति 35-45 किमी प्रति घंटा और झोंके 55 किमी प्रति घंटा तक पहुँचने वाला तेज़ हवाओं वाला मौसम रहने की बहुत संभावना है और इसके बाद यह कम हो जाएगा।

समुद्र की स्थिति:9 और 10 जनवरी को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के आस-पास के इलाकों, मन्नार की खाड़ी और आस-पास के कोमोरिन क्षेत्र और श्रीलंका तट के साथ और उससे दूर समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की बहुत संभावना है और इसके बाद धीरे-धीरे सुधार होगा।

9 और 10 जनवरी को तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के साथ और उससे दूर समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की बहुत संभावना है और इसके बाद धीरे-धीरे सुधार होगा।

9 जनवरी की शाम तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में समुद्र की स्थिति खराब से मध्यम रहने की बहुत संभावना है और इसके बाद धीरे-धीरे सुधार होगा।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 9 और 10 तारीख को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर, मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र और श्रीलंका और तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के पास और दूर समुद्र में न जाएं।
मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 9 जनवरी की शाम तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के आस-पास के इलाकों में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में 09-12 जनवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक ।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	9- Jan	10- Jan	11- Jan	12- Jan	13- Jan	14- Jan	15- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	SCT	SCT	SCT	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

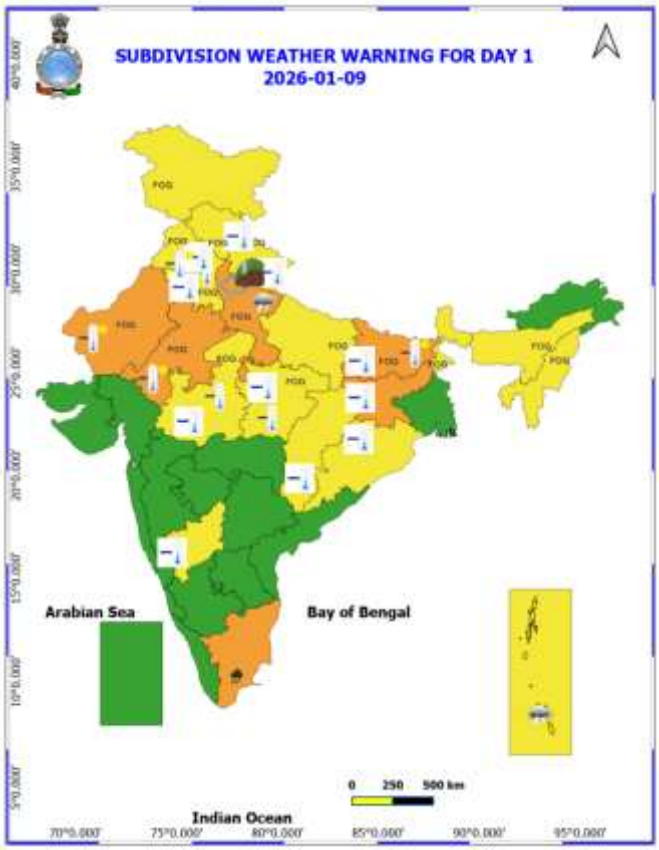
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-01-09
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

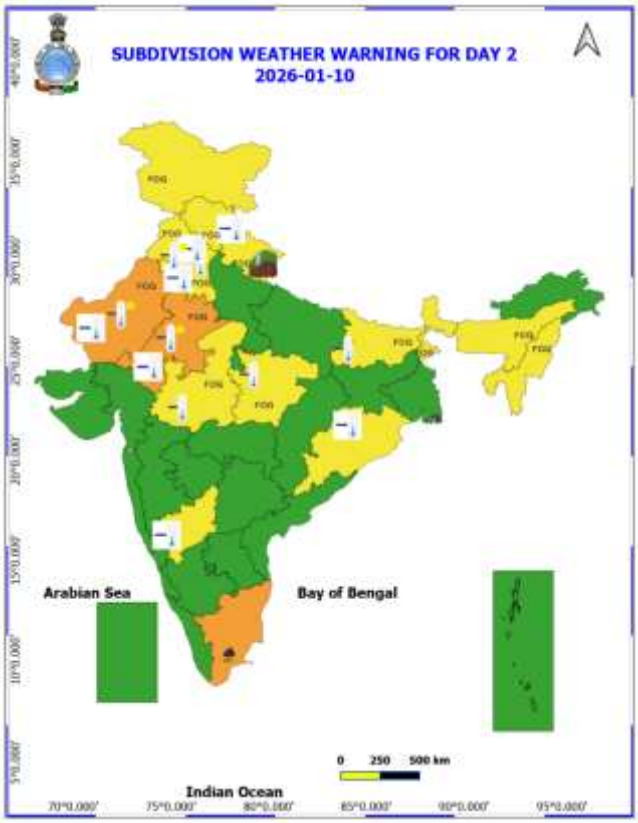
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-01-10
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

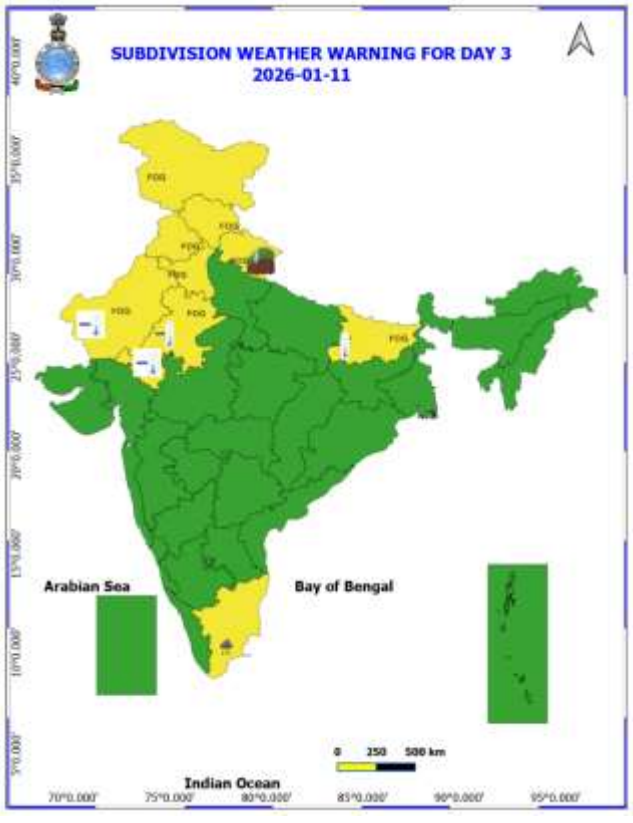
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-01-11
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

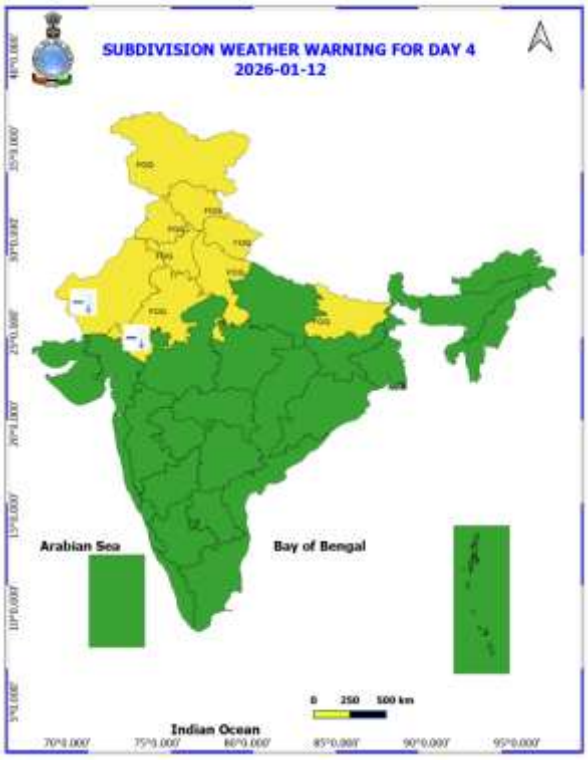

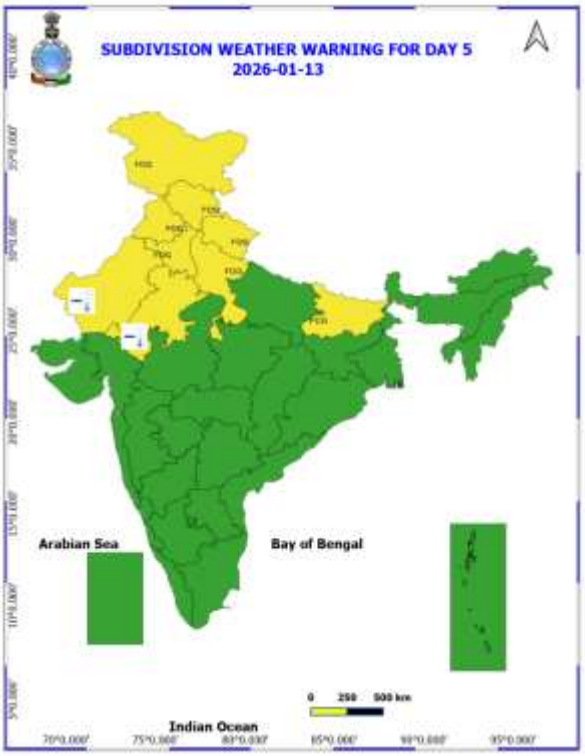

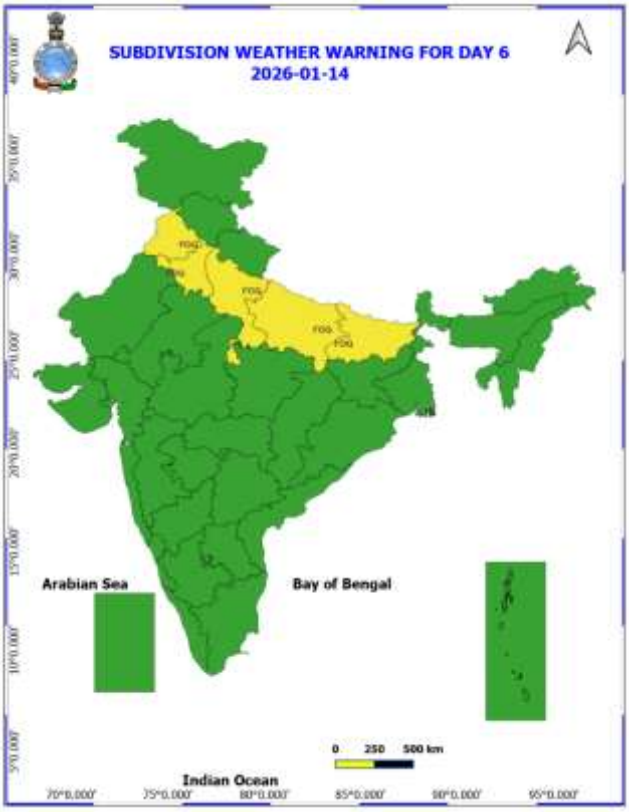

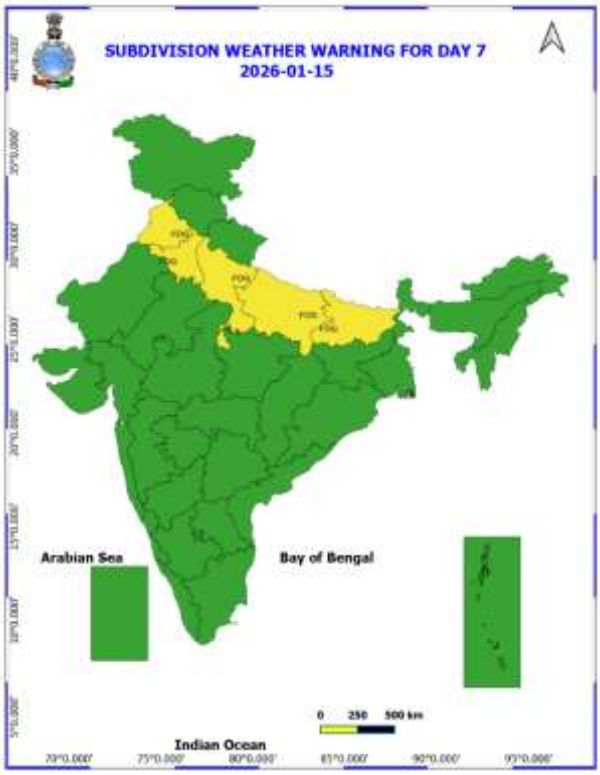

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

09 से 12 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1°C तक की गिरावट और अधिकतम तापमान में 1°C तक की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 15 से 17°C और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 05°C रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5 से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1 से -5.0) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश/बूंदाबांदी हुई। सफदरजंग हवाई अड्डे पर सुबह 0530 IST से 0730 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 600m रही, जो उसके बाद 0800 IST से 700m हो गई। पालम हवाई अड्डे पर सुबह 0530 IST से 0700 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 500m रही, जो उसके बाद आज, 09-01-2026 को 0730 IST से 600m हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिमी दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चली। आज सुबह क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवा की गति अलग-अलग दिशाओं से 10 किमी प्रति घंटे तक रही।

मौसम पूर्वानुमान:

09.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। रात में धुंध/धुंधलापन रहेगा। अधिकतम तापमान 16°C से 18°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से शांत हवा के साथ 05 किमी प्रति घंटे तक चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की गति बढ़कर उत्तर दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। 10.01.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16°C से 18°C और 05°C से 07°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति 10 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

11.01.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15°C से 17°C और 04°C से 06°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति 15 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति 20 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। शाम और रात में हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

12.01.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15°C से 17°C और 05°C से 07°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति 10 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा से रहने की संभावना है, जो शांत हवा के साथ 05 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। शाम और रात में भी हवा की गति उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटे ही रहेगी।

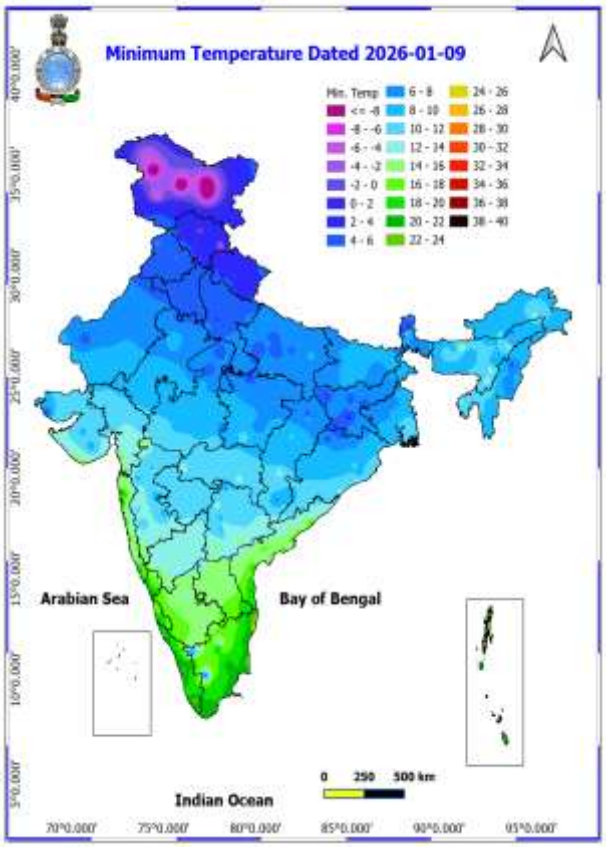

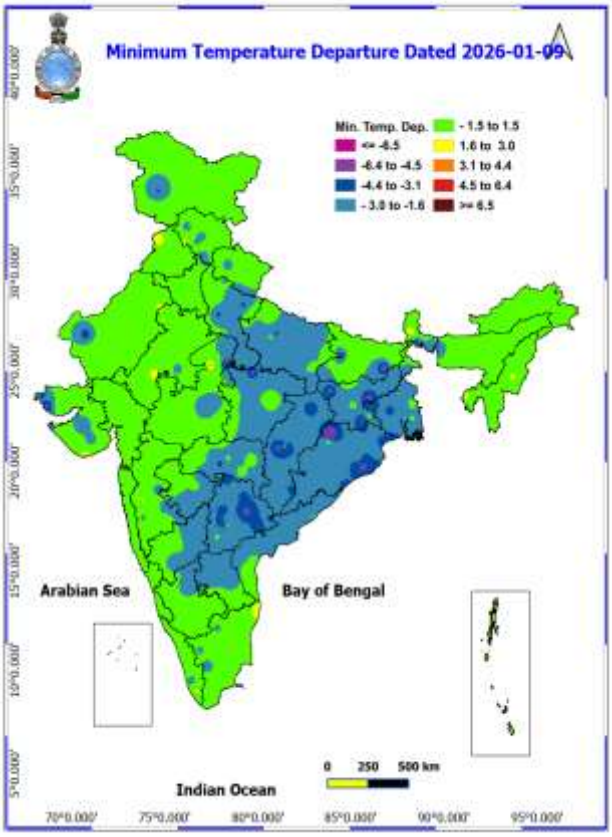

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖11 तारीख तक पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है और 12 जनवरी 2026 को कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖11 जनवरी तक पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है और 12 और 13 जनवरी 2026 को कुछ इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- ❖जम्मू डिवीजन, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में 14 तारीख तक; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और बिहार में 16 जनवरी तक; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10 तारीख को और 13-16 तारीख के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 10 तारीख तक और 15 और 16 तारीख को; मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 11 जनवरी तक सुबह के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।

❖ परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: 10 और 11 तारीख को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ इलाकों में और 10 तारीख को उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में और 11 से 14 जनवरी के दौरान राजस्थान में शीतलहर चलने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: 9 से 11 जनवरी के दौरान पूर्वी राजस्थान और बिहार के कुछ इलाकों में और 9 और 10 जनवरी को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी राजस्थान और मध्य प्रदेश में शीत दिवस की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

लंबे समय तक शीत दिवस के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

- ❖ कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- ❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- ❖ कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **तमिलनाडु में,** भारी बारिश शुरू होने से पहले परिपक्व धान, मक्का, उड़द, लौंग और काली मिर्च की कटाई शीघ्र कर लें ; उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से बारिश के अतिरिक्त पानी को निकालने के लिए उचित व्यवस्था करें। टमाटर, मिर्च, और लतावर्गीय सब्जियों में स्टेकिंग करें। सब्जियों के खेतों में पंडालों को मजबूती प्रदान करें।

शीत लहर/ सतह पाला / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड और बिहार में,** खड़ी फसलों को कम तापमान या ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का अनुकूल तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें। सब्जियों की नर्सरी और फलों के नए पौधों को पॉलीथीन शीट से ढक दें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- ➢ रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- ➢ पोल्ट्री शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

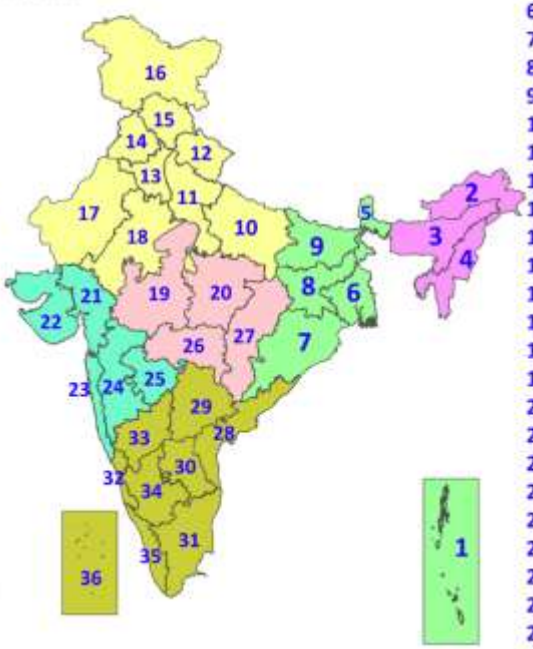

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)